शिक्षा का महत्त्व

- अनुष्का साहा
- ८ बी

शिक्षा तो साक्षात् ईश्वर है,
ज्ञान का अनंत सरोवर है
महापुरुषों की धरोहर है,
प्रगति के पथ की मोहर है ।

शिक्षा आगे बढ़ाती हैं,
अँधेरों को रौशन कर जाती है
मुश्किल गुत्थी सुलझाती है,
मन में भूख जगाती है ।

शिक्षा ही तो एक पूँजी है,
पढ़ी हर चीज़ से ऊँची है
हर ताले की यह कुंजी है,
शिक्षा हर दिशा में गूँजी है ।

जो शिक्षा पर देता ज़ोर नहीं,
संसार में होता कमज़ोर वही
थम सा जाता वह वहीं कहीं,
बढ़ पाता वह कभी नहीं ।

मैं शिक्षा के आगे शीश झुकाता हूँ,
इसके बल पर निडर होकर लड़ जाता हूँ
संतों से कंधा मिलाता हूँ,
दुनिया में अपना नाम कमाता हूँ ।